आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गौद

जिला - जांजगीर, चांपा (छ.ग.)

तिमाही परीक्षा, शिक्षा सत्र 2019 - 20

समय – 3 घण्टे कक्षा 11 वी विषय – हिन्दी पूर्णांक – 80

निर्देश :– (1) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

(2) अति लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए 10

प्रश्न 1. मुंशी प्रेम चंद द्वारा लिखित गबन पाठ गद्य के किस विधा से लिया गया है ?

प्रश्न 2. जन संचार से क्या तात्पर्य है ? उदाहरण सहित लिखिए ?

पश्न 3. गोधूली बेला का क्या अर्थ है ?

प्रश्न 4. संचार के कितने प्रकार होते है ? नाम लिखिए ?

प्रश्न 5. आलो आंधरी का क्या तात्पर्य है एवं इस पाठ के रचनाकार कौन है ?

अथवा

दूरदर्शन का अविष्कार कब और किसने किया ?

(अति लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए) 15

प्रश्न 6. इतिहास में स्पीति का वर्णन नहीं मिलता क्यों ?

प्रश्न 7. मास्टर त्रिलोक सिंह के किस कथन का लेखक ने जाबान के चाबुक कहा है और क्यों ?

प्रश्न 8. लार्ड कर्जन की क्या इच्छा थी ? उसका क्या परिणाम हुआ ?

प्रश्न 9. तुम दूसरी आशापूर्ण देवी हो ऐसा जेठू के कथन संसार के किस सत्य को उद्‌घाटित करता है ? ?

प्रश्न 10. शास्त्रीय संगीत तथा चित्र पट संगीत में क्या अंतर है ?

अथवा

लता मंगेशकर की स्वर निर्मलता का मूलकारण क्या है ?

प्रश्न 11. निम्न गद्यांश का सप्रसंग अर्थ लिखिए ? (10)

(1) दुनिया सोती थी,पर दुनिया की जीभ जागती थी । सवेरे देखो तो बालक वृद्ध सबके मुख से यही बात सुनाई देती थी । जिसे देखिए लोगो के व्यवहार पर टीका टीप्पणी करता रहता है । निंदा की बौछारे हो रही थी मानों संसार के पापी का पाप कट गया ।

(2) धूप का कौतुक करने वाले पंजाबी लोकगीत रूक्ष औरनिर्जल राजस्थान मे पर्जन्य की याद दिलाने वाली गीत पहाड़ी की घाटियों खीरों में प्रतिध्वर्न होने वाले पहाड़ी गीत ऋतुचक्र समझने वाले कृषिगीत आदि गीतों का अतिशय मार्मिक व रसानुकुल उपयोग प्रभावी संगीत दिग्दर्शकों ने किया है ।

प्रश्न 12. किसी एक लेखक का जीवन परिचय निम्न बिन्दुओं कें आधार पर लिखिए 3

1. जीवन परिचय 2. प्रमुख रचनाएं 3. भाव पक्ष
4. कलापक्ष 5. साहित्य में सीन

1. कुमार गंधर्व 2. सत्यजीत राय (कोई एक)

प्रश्न 13. जीवन परिचय लिखिए 4

(1) बालमुकुंद गुप्त अथवा अनुपम मित्रा

प्रश्न 14. अपठित गद्यांशों को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए 5

मनुष्य में जैसी स्वर्थ बुद्धि होती है । वैसी ही एक परार्थ बुद्धि होती है । मनुष्यों में जिन गुणों का विकास देखकर मुग्ध हो जाते है दया,प्रेम,स्नेह त्याग सेवा आदि एक मात्र मनुष्य की परार्थ चिन्ता के कारण हमारे हृदय में उत्पन्न होते है हमे अपने स्वार्थ साधन से जो सुख होता है वहीं आनन्द परार्थ चिन्तन में परोपकार से होता है इसी में मनुष्य का कल्याण है एवं परार्थ चिंतन में मनुष्य के उच्च कोटी की स्वार्थ चिंता सर्वथा उचित है

1. साधारणतः मनुष्य बुद्धि की क्या क्या विशेषताएं हैं ?
2. परार्थ बुद्धि प्रभाव से मनुष्य में किस गुणो का विकास होता है ?
3. परार्थ चिंता को उच्च कोटी की स्वार्थ चिंता क्यों कहा जाता है ?
4. मनुष्य में परोपकार करने से क्या होता है ?
5. उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए ?

प्रश्न 15. रायपुर नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर अपने मुहल्ले की साफ सफाई करने का अनुरोध कीजिए

अथवा

चरित्र प्रमाण पत्र हेतु अपनी शाला के प्राचार्य को एक आवेदन पत्र लिखिए

(दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए) 16

प्रश्न 16. जन संचार के प्रमुख महत्वपूर्ण कार्य को समझाइए ?

प्रश्न 17. नमक का दरोगा कहानी में पंडित आलोपदीन के व्यक्तित्व के कौन से दो पहलु उभर कर आते है स्पष्ट समझाइए ?

प्रश्न 18. कुई निर्माण से संबंधित निम्न शब्दों के बारे में टिप्पणी लिखिए ?

1. पालर पानी 2. पाताल पानी 3. रेजाणी पानी

प्रश्न 19. घनराम को मोहन के किस व्यवहार पर आश्चर्य होता है और क्यों ?

अथवा

मुंशी वंशीघर का चरित्र पर प्रकाश डालिए ?

प्रश्न 20. किसी एक विषय पर निबंध लिखिए 8

(1) शिक्षित बेरोजगारी की समस्या (2) नक्सलवाद / आतंकवाद

(3) स्वच्छता अधियान (4) विज्ञान के बढ़ते चरण

प्रश्न 21. अपठित पद्यांशों को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए 5

न देख रास्ता कठिन , न सोच रात है कि दिन
सधे हुए कदम उठा, न कोस एक एक गिन ,
तुझे बुला रही पथिक, डगर अगम कठिन विषम
न लक्ष्य दूर है कही, उठा कदम बढ़ा कदम
डगर निहारते तुझे विजय पुकारती तुझे

प्र.1. कवि किसे पुकार रही है ?

प्र.2 कवि कैसे रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए आहवान कर रहा है

प्र.3 कवि वीरो से क्या सोचने के लिए कह रहा है

प्र.4 पधिक को कौन प्रतीक्षा कर रहा है

प्र.5 इस कविता का शीर्षक क्या है